Obscenity and vulgarity in various reality shows on TV channels

श्री कमाल अख्तर (उत्तर प्रदेश) : धन्यवाद उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि आज पूरे देश के अंदर हमारे टी.वी. चैनल पर ऐसे रिएल्टी शो और ऐसे सीरियल की बाढ़ है जो इस भारतीय संस्कृति को, भारत की तहजीब को और इस देश के अंदर अश्लीलता फैलाने में बढ़ावा दे रहे हैं। सर, अपनी टी.आर.पी. बढ़ाने के लिए और पैसा कमाने के लिए ये सीरियल्स सरकार को इस तरह से गुमराह करते हैं कि हम समाज के अंदर फैली हुई कुरीतियों को खत्म करना चाहते हैं। बहुत से ऐसे रिएल्टी शो हैं, अभी टी.वी. के ऊपर एक रिएल्टी शो चल रहा है - "सच का सामना" इस सीरियल को हमारे साथी भी देखते होंगे। इस शो में जो प्रतियोगी होता है उसको बुलाया जाता है, जिसमें उसका परिवार, उसके बच्चे, उसकी बीबी, उसके मां-बाप सब बैठे होते हैं और इस शो में ऐसे-ऐसे अश्लील सवाल उस रिएल्टी शो में इनाम की राशि बताने के बाद उनसे पूछे जाते हैं। अभी मैं दो दिन पहले इस सीरियल को देख रहा था। तो इसमें एक महिला प्रतियोगी आई हुई थी तथा उसके सामने उसके परिवार के लोग बैठे हुए थे। एंकर ने उस महिला प्रतियोगी से सवाल पूछा कि क्या आप अपने पति के अलावा किसी और पुरुष से शारीरिक संबंध बनाना चाहती हैं? तो उस महिला ने कहा-नही। फिर एंकर कहता है कि अब पोलिग्राफ टैस्ट की रिपोर्ट देखते हैं। पोलिग्राफ टैस्ट की रिपोर्ट में महिला का जवाब गलत बतलाया जाता है। सर, अब मैं पूछना चाहता हूं कि उस महिला का अपने पति के सामने, अपने बच्चों के सामने तथा समाज के अंदर क्या स्थिति हुई होगी। मैं आपसे दरख्वास्त करना चाहता हूं कि ऐसे अन्य बहुत से सीरियल्स थे, जिसमें सास भी कभी बहू थी, नाम का सीरियल था। इसमें सास और बहू को लड़ने की ट्रेनिंग दी जाती है। इसके अलावा अन्य सीरियल जैसे – बालिका वधु भी है। उसमें कहा जाता है कि बाल विवाह के खिलाफ जो कुरीतियां फैली हुई हैं, हम उनको खत्म करना चाहते हैं। सर, आपने देखा होगा कि उस चैनल में यह दिखाया जाता है कि किस तरह से बाल विवाह के लाभ हैं और किस तरह से उनका प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। सर, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आप सरकार को निर्देशित करें कि ऐसे अश्लील और भारतीय संस्कृति को बरबाद करने वाले सीरियल्स और रिएल्टी शो को तुरंत बंद करे और कोई ऐसा सेंसर बोर्ड बनाएं कि जो टी.वी. पर सीरियल आते हैं, वे सेंसर होने के बाद ही पब्लिक के सामने लाए जाएं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

डा. (श्रीमती) नजमा ए. हेपतुल्ला (राजस्थान) : उपसभापति महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

श्री रामदास अग्रवाल (राजस्थान) : उपसभापति महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती माया सिंह (मध्य प्रदेश) : उपसभापति महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं। ...**(व्यवधान)**... सर, इस पर चर्चा भी होनी चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री वीरेन्द्र भाटिया (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री महेन्द्र मोहन (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री एस.एस. अहलुवालिया (झारखंड) : उपसभापति महोदय, इस विषय पर सदन में पूरी चर्चा होनी चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This is a very serious matter. ...*(Interruptions)*... I am sure the Government will take note of it. ...*(Interruptions)*...

श्री एस.एस. अहलुवालिया : सर, ये सारे प्रोग्राम on line दिखाए जा रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: इस के ऊपर नोटिस लिया जाए। ...**(व्यवधान)**...

श्री एस.एस. अहलुवालिया : कोई उनका माई-बाप नहीं है, कोई इनके ऊपर कंट्रोलिंग अथारिटी नहीं है, कोई रेग्युलेशन नहीं है। ...**(व्यवधान)**... जिस तरह से सभ्रांत, सभ्य समाज को समाप्त करने की एक कोशिश चल रही है, उसको कंट्रोल करने के लिए, उस पर अंकुश लगाने के लिए एक गंभीर चर्चा की जरूरत है। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: इसमें कोई दो राय नहीं है कि पूरा हाउस इससे इत्तिफाक कर रहा है कि ऐसी चीजों पर रोक लगाई जानी चाहिए। इसके ऊपर बहुत से नोटिस भी आए हैं। इसको गवर्नमेंट सीरियसली ले और इस पर नोटिस दिया जाए, तो structured discussion भी होगा। ...**(व्यवधान)**...

श्री विनय कटियार (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति जी, पिछले दिनों इस बात को प्रो. राम गोपाल यादव जी ने भी उठाया था, तब भी सदन पूरी तरह से सहमत था, लेकिन इस पर सरकार की ओर से कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। बहुत अश्लील और गंदे विज्ञापन आ रहे हैं। जैसा पहले भी बताया गया है कि परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर समाचार भी नहीं देख सकते हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री नंदी येल्लैया (आंध्र प्रदेश) : उपसभापति महोदय, ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Hon. Members can give notice and we can have a structured discussion....*(Interruptions)*...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka): Somebody from the Government can reply. ..(Interruptions)...

SHRI S.S. AHLUWALIA: We want a discussion on it. ...*(Interruptions)*... The Government should take note of it. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Parliamentary Affairs Minister is not there. ...*(Interruptions)*... On the obscenity, the Government should take note of it. ...*(Interruptions)*...

श्री वीरेन्द्र भाटिया : सर, इस पर चर्चा होनी चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Government will take note of it. If you want a discussion, Government is ready for discussion. ...*(Interruptions)*... आप बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**...

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY; THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF EARTH SCIENCES; THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE; THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS; AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY
AFFAIRS (SHRI PRITHVIRAJ CHAVAN): Sir, if you permit, we are ready for a discussion. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Government is ready for discussion. ...*(Interruptions)*... गवर्नमेंट ready है, इस पर नोटिस देकर structured discussion करेंगे। ...**(व्यवधान)**... इस बात पर पूरा हाऊस एक है। आप बैठ जाइए। श्री रवि शंकर प्रसाद।